Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 14-12-2005

Participants : Singh Ch. Lal

>

Title : Alleged discrimination between Producers by Doordarshan Kashmir Channel.

चौधरी लाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत से सदन को बताना चाहता हूं कि रियासत जम्मू-कश्मीर के लिए गवर्नमैंट ऑफ इंडिया ने एक चैनल 'काशीर' के नाम से शुरू किया था जिसका मकसद जम्मू-कश्मीर का कल्चर लोगों को दिखाना, पाकिस्तान से जो मिसलीडिंग न्यूज और प्रोवोकेशन टी.वी. में चलती हैं, उनको रोकना तथा टूरिज्म आदि को उभारना था। इस चैनल के लिए करोड़ों रुपये गवर्नमैंट ऑफ इंडिया ने भेजे थे। मुझे इस बात का इंतहाई दुख है कि रियासत जम्मू-कश्मीर का प्रोड्यूसर जो दो डिकेड से टरमोयल में था, उसका रोजगार खत्म हो चुका था, उस प्रोड्यूसर को यह काम करना था लेकिन नया काम किया गया। क्या हमारे जम्मू-कश्मीर का कल्चर बाहर का आदमी यानी महाराट्र का प्रोड्यूसर दिखायेगा ? क्या इसी तरह डोगरा कल्चर पूणे का प्रोड्यूसर दिखायेगा ? वहां बाहर का प्रोड्यूसर लाने की साजिश है। मैं कहना चाहता हूं कि बाहर का प्रोड्यूसर लाकर जम्मू-कश्मीर के साथ, उसके कल्चर के साथ, उस प्रोड्यूसर के साथ नाइंसाफी है। मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि वहां जितना पैसा गवर्नमैंट ऑफ इंडिया ने भेजा है, उसे वहां के प्रोड्यूसरों को कार्यक्रम बनाने के लिए दिया जाये ताकि वे वहां काम करें और रियासत जम्मू-कश्मीर की जो असली तस्वीर है, उसे लोगों को दिखाएं। आपका बहुत-बहुत शुक्रिया।

अध्यक्ष महोदय : वह भी है, नैशनल इंटीग्रेशन भी है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Other matters will be taken at the end of the day.